>

Title: The Speaker made reference on the occasion of International Women's Day.

अध्यक्ष महोदया: माननीय सदस्यगण, आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों के प्रतीक के रूप में विश्व भर में मनाया जा रहा है।

विश्व स्तर पर आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, कला-साहित्य, शिक्षा, खेल-कूद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं। हमारे देश में भी हर कार्यक्षेत्र में सफलता ने उनके कदम चूमे हैं और वे उन्नति की ध्वजवाहक बनी हैं।

केवल ख्यातिप्राप्त महिलाओं ने ही नहीं, अपितु दिन-रात परिवार की देखभाल करने वाली, खेत में काम करने वाली, मजदूरी करने वाली, छोटे बड़े काम करके घर की आमदनी में योगदान करने वाली असंख्य नारियों ने स्नेह, निष्ठा, त्याग और परिश्रम से हमारे समाज और देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। यह दिन भारत की बेटियों को समर्पित है। आज कोटि-कोटि स्वर में उनका अभिनन्दन करने का दिन है।

साथ ही आज उनकी गरिमा, सम्मान, सुरक्षा, हित, कल्याण और सशक्तिकरण पर आत्मविवेचन और विचार-विमर्श करने का भी दिन है। आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण समान रूप से हो, इस पर भी बल देने का दिन है।

महिलाओं का सतत् शोषण इतिहास का एक कटु सत्य है। समाज के क्रियाकलापों में उनके दायरे को सीमित रखने, शिक्षा के अवसरों तथा मूलभूत मानवाधिकारों से वंचित करने, हिंसा तथा प्रायः अमानवीय व्यवहार की शिकार बनाए जाने से सदियों से महिलाओं के लिए अपनी पूर्ण क्षमता के प्रदर्शन के अवसर दुर्लभ कर दिए गए हैं।

महिलाओं के प्रति शतियों से चले आ रहे भेदभाव धीरे-धीरे समाप्त होने और समानता को सिद्धान्ततः व्यापक रूप से मान लिए जाने के बावजूद महिलाओं को आज भी पूरी तरह बराबरी का दर्जा नहीं मिल सका है।

यद्यपि हमारे महानगरों और शहरी क्षेत्रों में उनकी स्थिति में अपेक्षाकृत सुधार हुआ है, लेकिन देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली और विशेष रूप से निर्बल वर्गों की महिलाओं की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। यदि महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा देना है, तो हमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की सभी वर्गों की महिलाओं को समान रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य परिचर्या और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करनी होगी।

इस वर्ष का अंतर्राष्ट्रीय महिला-दिवस का उद्देश्य है:

"महिलाओं के प्रति हिंसा को समाप्त करने के लिए हम वचनबद्ध हैं।"

-

-